Feb. 2022

SRMS Trust Bulletin

आयाम

- स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी का 112 वां जन्मदिन – PAGE 03
- MBBS के विद्यार्थियों ने ली महर्षि चरक की शपथ – PAGE 07
- SRMS मेडिकल के विद्यार्थियों की उपलब्धियां - PAGE 08
- CET बरेली में तीसरी अंर्तराष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित–PAGE 10
- ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'बहू या बेटी'- PAGE 14
- गुडलाइफ में पेट से निकाला 10 किलो का ट्यूमर - PAGE 18

SRMS रिद्धिमा का प्रथम स्थापना दिवस

- PAGE 04

SRMS

स्किन केयर एवं कॉस्मेटोलॉजी सेंटर

Look good, Feel great

अत्याधुनिक लेजर ट्रीटमेंट

- चेहरे की झुर्रियों व गढ्ढों को हटाना (Skin Resurfacing)
- अनचाहे बालों को हटाना (Hair Removal)
- चेहरे पर कसाव (Skin Tightening)
- दाग-धब्बें, मुहांसों एवं झाइयों को हटाना
- फेस रिजुविनेशन
- टैटू हटाना (Tattoo Removal)
- जन्मजात निशान/ लहसुन हटाना
- चेहरे पर आये लालीपन का इलाज

लेज़र की विशेषताएं

- दर्द रहित प्रक्रिया
- मात्र 3 से 5 सीटिंग में ही लाभ
- प्रति सीटिंग लगभग 15 मिनट का समय

कॉस्मेटोलॉजी प्रोसीजर्स

- फेस (चेहरा) लिफ्ट
- नोज़ (नाक) लिफ्ट एवं रिशेपिंग (राइनोप्लास्टी)
- आई ब्रो लिफ्ट
- आई लिड सर्जरी
- चेहरे पर डिंपल बनाना
- लिप (होंठ) करैक्शन सर्जरी
- चिन (ठोड़ी) ऑग्मेंटेशन
- ब्रेस्ट (स्तन) ऑग्मेंटेशन / रिडक्शन
- लाइपोसैक्शन
- एबडोमिनोप्लास्टी
- वैजाइनल रिजुविनेशन
- हेयर ट्रांसप्लांट
- जनांगों का सौदर्यकरण (कॉस्मेटिक गायनोकॉलॉजी)

डॉक्टर पैनल

- **डॉ. प्रतीक गहलौत**, एम.डी. (डर्मेटोलॉजी)
- **डॉ. मधुर कांत रस्तोगी**, एम.डी. (डर्मेटोलॉजी)
- **डॉ.अमर सिंह**, एम.डी. (डर्मेटोलॉजी)
- **डॉ. शोभित शर्मा**, एम.सी.एच. (प्लास्टिक एण्ड कॉस्मेटिक सर्जरी)

त्वचा एवं कॉस्मेटोलॉजी विभाग

श्री राम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

13 किमी॰, बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली ✆ 9458705103, 9458704444

कला, संगीत को समर्पित वर्ष

एसआरएमएस ट्रस्ट ने आठ फरवरी 2022 को अपने प्रेरणा स्रोत, स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री आदरणीय राम मूर्ति जी का 112वां जन्मदिन मनाया। ट्रस्ट ने इसी दिन पूज्य बाबू जी की याद में पिछले वर्ष स्थापित अपने 17वें संस्थान रिद्धिमा का भी पहला स्थापना दिवस मनाया। शास्त्रीय और सुगम संगीत के साथ डांस, ड्रामा और ललित कला को समर्पित इस संस्थान ने एक वर्ष में ही रुहेलखंड और आस पास के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। लाकडाउन में तीन माह बंद रहने के बावजूद यहां एक वर्ष में 36 नाटकों का मंचन और तीन राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किसी उपलब्धि से कम नहीं। थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष में फिल्मजगत के बड़े बड़े कलाकरों ने यहां आकर विद्यार्थियों को अभिनय कला की बारीकियों से रूबरू कराया। दो सौ से ज्यादा दुर्लभ वाद्ययंत्रों को संजो कर स्थापित हुआ म्यूजियम बरेली शहर के साथ ही प्रदेश के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि ही है। स्थापना के कुछ ही माह में खैरागढ़ विश्वविद्यालय से मान्यता हासिल होना इसकी विशिष्ट पहचान को बताने के लिए पर्याप्त है। विश्वास है कि आने वाले समय में यह संस्थान कला और संस्कृति संरक्षण में अपनी पहचान को और भी पुख्ता करता जाएगा।

जय हिंद

अमृत कलश

''मन की संतुष्टि के लिए अच्छे काम करते रहना चाहिए। लोग चाहे तारीफ करें या ना करे। कमियां तो लोग भगवान में भी तलाशते रहते हैं।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	-	Editor
Shivam Sharma	-	Correspondent
Rishabh Tiwari	-	Correspondent
Indu Dixit	-	Photographer
Dharmedra Kumar	-	Photographer
Yasmeen Khan	-	Designer
Vineet Sharma	-	(Co-Ordinator, IMS)
Dr. Ekta Rastogi	-	(Co-Ordinator, IBS)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी का 112वां जन्मदिन

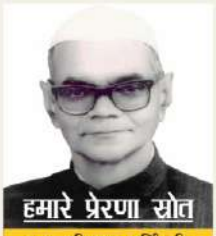

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी

08.02.1910 - 02.10.1988

आठ फरवरी 2022 से ठीक 112 वर्ष पहले आज ही के दिन स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी का जन्म बरेली के धौरा गांव में जमींदार साहू ठाकुरदास के यहां हुआ था। पिता ठाकुरदास और माता रेवती से उन्होंने सरलता, सहजता सीखी। उनसे मिली उपकार और देश प्रेम की सीख ने बालक राम मूर्ति जी को अंग्रेजों के खिलाफ सोचने पर मजबूर किया। मालवीय जी की सीख उन्हें अंग्रेजी शासन के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन में ले आई। जिसे गांधी जी के विचारों ने परवान चढ़ाया। अहिंसा के अस्त्र को राम मूर्ति जी ने भी अपनाया और बरेली परिक्षेत्र में देशभक्तों की आवाज बन गए। सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने की वजह से उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया। वह वर्ष था 1930 और महीना अगस्त। तब उनकी उम्र मात्र बीस वर्ष थी। 1930 से अंग्रेजी अत्याचारों के खिलाफ आंदोलन और गिरफ्तारी का शुरू हुआ यह सिलसिला देश की आजादी तक चलता रहा। वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा। तब भी गांधीवादी राम मूर्ति जी अन्याय और अत्याचार का विरोध करने सड़क पर निकल आए। 65 वर्ष की उम्र में उन्होंने आपातकाल के खिलाफ बरेली कचहरी पर सत्याग्रह किया और गिरफ्तारी दी। उन्हीं के आदर्शों को लेकर आज ट्रस्ट समाजसेवा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे सिद्धांतवादी, आदर्शवादी, गरीबों के मसीहा महान शख्सियत राममूर्ति जी को उनके 112वें जन्मदिन पर सादर श्रद्धांजलि।

एक सार्वजनिक कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी श्रीराममूर्ति जी का स्वागत करते स्थानीय लोग। (फोटो एसआरएमएस आर्काइव)

Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

Values

Integrity **Excellence**
Fairness **Innovativeness**

Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students - Our Assets.
- Our Staff - Our Means.

एसआरएमएस रिद्धिमा ने मनाया पहला स्थापना दिवस

एक साल में 36 नाटकों का मंचन

स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी की जीवन यात्रा को मंचित करते कलाकार

- एक साल में तीन राष्ट्रीय चित्रकला, एक ललित कला प्रतियोगिता आयोजित
- स्थापना दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी के संघर्ष से रूबरू हुए दर्शक
- स्वर कोकिला भारत रत्न गायिका लता मंगेशकर को समर्पित हुई संगीत संध्या
- भरतनाट्यम और कथक की जुगलबंदी से हुआ देवी माहात्म्य खंड दो का मंचन
- आड़ी टेढ़ी मुगल ए आजम में दिया गया सलीम को दीवार में चुनवाने का आदेश

बरेली: कला, संगीत और थिएटर के लिए समर्पित रिद्धिमा ने अपने पहले स्थापना दिवस तक की यात्रा सफलतापूर्वक फरवरी में पूरी की। इस दौरान यहां 36 नाटकों का मंचन और तीन राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किसी उपलब्धि से कम नहीं रहा। एक वर्ष के उपलब्धियों भरे सफर का जिक्र एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने पहले स्थापना दिवस समारोह में किया। इस स्थापना दिवस समारोह के साथ ही फरवरी में एसआरएमएस रिद्धिमा का मंच अभिनय के साथ अभिनय सीखने वालों और संगीत प्रेमियों के लिए समर्पित हुआ। तीन फरवरी को माह के पहले नाटक के रूप में सलीम शाह लिखित और निर्देशित नाटक जोया खान जवाब दो का मंचन हुआ। हिंदू-मुस्लिम के बीच बढ़ती खाई के लिए राजनीतिक दलों और कट्टरता को जिम्मेदार ठहराते इस नाटक ने एक दूसरे पर भरोसा कर देश को तरक्की की राह पर ले जाने का संदेश दिया। 13 फरवरी की शाम नाटक 'मोहन से महात्मा' में बापू की मोहनदास करमचंद गांधी से महात्मा गांधी बनने तक की यात्रा का मंचन हुआ। 17 फरवरी को आयोजित बैंडिश कार्यक्रम में संस्थान के गायन गुरुओं ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी के गानों से उन्हें श्रद्धांजलि समर्पित की। 20 फरवरी को देवी माहात्म्य खंड दो का मंचन किया गया। इसमें मां दुर्गा के चामुंडा रूप एवं दैत्य धूम्रलोचन और चंड मुंड वध को कथक और भरतनाट्यम नृत्य के माध्यम से बहुत खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। 27 फरवरी की शाम रूबरू थिएटर ग्रुप दिल्ली की ओर से हास्य नाटक मुगल ए आजम आड़ी टेढ़ी का मंचन हुआ। सवा घंटे के नाटक का दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया और लगातार तालियां बजाई।

नमन

एसआरएमएस ट्रस्ट के प्रेरणा स्रोत स्वतंत्रता सेनानी पूज्य बाबू जी राममूर्ति जी के जन्मदिन पर स्थापित कला, संगीत और थिएटर के लिए समर्पित रिद्धिमा का पहला स्थापना दिवस 8 फरवरी को मनाया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम का आरंभ ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी द्वारा स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी की तस्वीर पर माल्यार्पण से हुआ। उन्होंने अपने पिता को 112वें जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की और एक वर्ष में रिद्धिमा को मिले अपार स्नेह का जिक्र किया। बताया कि लाकडाउन में तीन महीने बंद रहने के बाद भी रिद्धिमा में इस एक वर्ष के अंतराल में 36 नाटकों का मंचन और तीन राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन होना एक बड़ी उपलब्धि है। खैरागढ़ विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त होना और यहां पर 200 से ज्यादा दुर्लभ वाद्य यंत्रों के संग्रहालय का बनना भी आप सब कलाप्रेमियों के आशीर्वाद और सराहना से ही संभव हुआ है। देव मूर्ति जी ने कहा उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी ललित और सांस्कृतिक विरासत को समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण मानते थे। भारतीय

संगीत में उनकी खासी रुचि रही थी। उन्हीं की स्मृति स्वरूप रिद्धिमा की स्थापना का संकल्प लिया था। एक वर्ष में यहां तीन चित्रकला प्रतियोगिता और एक ललित कला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष आयोजित हुआ, जिसमें फिल्म जगत के बड़े बड़े कलाकरों ने यहां आकर बच्चों को कला की बारीकियों से रूबरू कराया। इसके बाद सजी सुरों की महफिल में पहली प्रस्तुति इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक से हुई, जिसमें राम मूर्ति ट्रस्ट के गीत को गुरु शिवांगी मिश्रा और स्नेह आशीष दुबे ने अपनी आवाज देकर सभागार में मौजूद लोगों की खूब तालियां बटोरीं। आगे विनायक श्रीवास्तव ने स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय राममूर्ति जी के सरल स्वभाव और उनकी जीवन यात्रा का नाट्य रूपांतरण पेश किया। कार्यक्रम में अगली प्रस्तुति संगीत से हुई, जिसमें 'राग खमाज' को रिद्धिमा गुरुओं ने वाद्य यंत्रों से पेश किया। गायन गुरु शिवंगी मिश्रा द्वारा गजल 'दयार-ए-दिल की रात में चराग सा जला गया' की प्रस्तुति ने सभागार का माहौल खुशनुमा बना दिया। इसी कड़ी में 13 रागों से सजी खूबसूरत रागमाला को स्नेह आशीष दुबे ने पेश किया। वाद्य यंत्रों में तबले पर शिव शंभू कपूर, सारंगी पर उमेश मिश्रा, सितार पर कुंवरपाल और आशीष कुमार ने बहुत खूब साथ दिया। ललित कला में कैलाश खेर के गीत 'साइयां' पर फौजिया आफरीन और रिया सक्सेना ने नृत्य प्रस्तुत किया। अंत में कथक और भरतनाट्यम का मिश्रण देखने को मिला जिसमें कथक गुरु देबज्योति नस्कर, रियाश्री चटर्जीऔर भरतनाट्यम गुरु अंबाली प्रहराज ने अपनी अपनी नृत्य कलाओं से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, वरिष्ठ रंगकर्मी और समाजसेवी जे.सी. पालीवाल, रजनी अग्रवाल, सुरेश सुंदरानी, गुरु मेहरोत्रा, बरेली कालेज के प्राचार्य डा. अनुराग मोहन भटनागर, डा. जयश्री मिश्रा, डा. रीता शर्मा, डा.एसबी गुप्ता, डा. आरपी सिंह, डा.एनके अरोडा, डा.पीएल प्रसाद, डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डा.कृष्ण गोपाल, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा. रिंटू चतुर्वेदी, मुकुट बिहारी दुबे, डा.ऋतु शाह, डा.रितु सिंह, डा. रोहित शर्मा, आशीष कुमार और शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

जोया खान जवाब दो में एकता का संदेश

नाटक जोया खान जवाब दो का आरंभ एक्टिंग वर्कशाप के दृश्य से होता है। यहां एक्टिंग सीखने बिजनेसमैन चड्ढा, युवा जोया खान, अभिमन्यु, भारत, एस्ट्रोलाजर देवयानी, आरकेवाईके, अर्चित, छह महीने की बेटी की मां और माडल दीक्षा मौजूद हैं। सब रिहर्सल में व्यस्त हैं तभी इंस्पेक्टर राजवीर और कांस्टेबल बलवीर वहां पहुंच कर दिल्ली में पांच जगहों पर आतंकी हमले की सूचना के साथ सभी को बाहर न निकलने का निर्देश देते हैं। आतंकी हमले की सूचना के बाद एक्टिंग वर्कशाप में मौजूद सभी लोग दो गुटों में बंट जाते हैं। एक गुट मुसलमानों को इसका जिम्मेदार ठहराता है और जोया खान से जवाब मांगता है। नोकझोक और बहस बढ़ती है। तब जोया राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम सुना कर अपना बात कहती है। नाटक का सुखांत होता है। सभी कलाकारों ने सधा और संजीदगीपूर्ण अभिनय किया।

दिग्गज रंगकर्मी निखारेंगे युवा कलाकारों का हुनर

एसआरएमएस रिद्धिमा में 12 फरवरी को थिएटर वर्कशाप का आरंभ हुआ। पहले दिन वरिष्ठ रंगकर्मी व अभिनेता डा. सईद आलम ने युवाओं को अभिनय का प्रशिक्षण देने के साथ पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन स्किल, थिंकिंग स्किल्स, राइटिंग स्किल्स के गुर भी सिखाए। सेंटर इंचार्ज आशीष कुमार ने बताया कि 24 हफ्तों तक चलने वाली इस वर्कशाप में प्रत्येक सप्ताह दो दिन शनिवार और रविवार को अभिनय के क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले युवाओं के मार्गदर्शन करना है। यहां थिएटर जगत से जुड़े डा. सईद आलम, अखिलेश नारायण, काजल सूरी, जय सिंह, मानव मेहरा, संजय बिष्ट और अरुण सैनी जैसे नामी रंगकर्मी रिद्धिमा के विद्यार्थियों को अभिनय की बारीकियों के साथ पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कम्युनिकेशन स्किल, थिंकिंग स्किल्स, राइटिंग स्किल्स की बारीकियां सिखाएंगे। साथ ही उन्हें मोनोलाग लिखने की भी कला सिखाएंगे। कार्यशाला के पहले दिन वरिष्ठ रंगकर्मी डा. एम सईद आलम ने युवाओं को अभिनय का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया किस प्रकार अपने अंदर के कलाकार को निखारा जाता है। रंगकर्मी को भाषाओं पर मजबूत पकड़ होनी चाहिए, उसे खुद को एक खिलाड़ी की तरह समझना चाहिए। उसके लिए साहित्य का अच्छा ज्ञान भी होना जरूरी है। प्रशिक्षण के साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों से मंच पर रिहर्सल करवाई। उन्हें मंचन से जुड़ी बारीकियां बताई गईं। साथ ही युवा रंगकर्मियों से मोनोलाग भी लिखवाए। कार्यशाला के दौरान रिद्धिमा गुरु और रंगकर्मी विनायक श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

दैत्य धूम्रलोचन और चंड मुंड वध

देवी माहात्म्य के पहले भाग का मंचन पिछले माह रिद्धिमा के मंच पर हुआ था। इस माह दूसरे भाग की शुरुआत मां दुर्गा के चामुंडा रूप से हुई, जिसमें धूम्रलोचन, चंड-मुंड, रक्तबीज और शुंभ-निशुंभ जैसे महाबली और मायावी असुरों का वध किया। कथक और भरतनाट्यम से प्रस्तुत इस कार्यक्रम ने दर्शकों को संस्कृति से परिचित कराया। इसमें भरतनाट्यम गुरु अंबाली प्रहराज और कथक गुरु रियाश्री चटर्जी और देवज्योति नस्कर ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। मां अंबिका के किरदार में रियाश्री चटर्जी, पार्वती मधु शर्मा, देवता देवज्योति नस्कर, काली के किरदार में अंबली प्रहराज और रिया सक्सेना, दैत्य शुंभ के किरदार में विनायक श्रीवास्तव, निशुंभ अखिलेश शर्मा, भगवान शिव जितेंद्र कुमार और धूम्रलोचन का किरदार शिवा शर्मा ने बहुत खूबसूरती से निभाया।

सत्याग्रह जिसने मोहन को बनाया महात्मा गांधी

नाटक में चंपारण के किसानों की व्यथा, गांधी जी के चंपारण पहुंचने और किसानों के हक में अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ लड़ाई लड़ने का मंचन हुआ। यहां से गांधी जी ने दुनिया को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया और इसी सत्याग्रह के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर नेता के रूप में उभरे। नाटक में सईद आलम और उनकी टीम ने शानदार अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस नाटक का मंचन दिल्ली के पीरोट्स ट्रूप थिएटर ग्रुप ने किया। इसका निर्देशन एम सईद आलम ने किया। नाटक के कलाकारों में एम सईद आलम, राहुल पासवान, निखत सिराज, आर्यन कुमार, यश मल्होत्रा, अलीना जुल्फीकार, शमशेर अंसारी, फ्रैंको पाल, गौरव शर्मा, प्रिंस कुमार, शिवम चौधरी, सत्यम झा, सुमित भारद्वाज, अंकित चौहान, रोहित सोनी और चेतन रैना शामिल थे।

बैंडिश में हुई लता के गीतों की जुगलबंदी

बैंडिश कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गीत 'ए मेरे वतन के लोगों' से हुई। जिसे डा. रीता शर्मा ने आवाज दी। वंदे मातरम, जब प्यार किया तो डरना क्या, आज फिर जीने की तमन्ना है, पिया तोसे नैना लागे और आपकी नजरों ने समझा... जैसे सदाबहार गीतों को इंदु परडल, स्नेह आशीष दुबे, शिवांगी मिश्रा और रीता शर्मा ने प्रस्तुत किया। 'बनी बनी ठनी ठनी आवत है' और 'लट उलझी सुलझा जा बालम', 'हर तरफ हर जगह बेशुमार आदमी' को आवाज देकर रिद्धिमा गुरु शिवांगी मिश्रा और स्नेह आशीष दुबे ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। संगीत की शाम का अंत बप्पी लहरी जी को समर्पित हुआ। तबले पर शिव शंभू कपूर और धृति गोबिंदा दत्ता, बैंड पर अगस्टिन फ्रेडरिक, सारंगी पर उमेश मिश्रा और कुंवरपाल, कीबोर्ड पर आशीष सिंह, वायलन पर सूर्यकांत चौधरी और हरमोनियम पर जनार्दन भारद्वाज ने साथ दिया।

...और हुई मुगल ए आजम आड़ी टेढ़ी

इस नाटक की शुरुआत एक डायरेक्टर और उसकी मौसी से होती है। दोनों मुंबई में जाकर फिल्म बनाना चाहते हैं। ऐसे में एक अंडरवर्ल्ड का भाई उनले अच्छी कहानी पर फिल्म बनाने की हामी भरता है। यह दोनों एक राइटर के साथ प्रोड्यूसर को कहानी सुनाते हैं। प्रोड्यूसर मुगल ए आजम जैसी कहानी पर फिल्म बनाने की बात कहता है। ऐसे में मुगल ए आजम पर ही फिर से फिल्म बनाने की तैयारी की जाती है। प्रोड्यूसर अपनी पसंद के लोगों को फिल्म में मौका देता है और अपने अनुसार मुगल ए आजम की कहानी में बदलाव करता रहता है। ऐसे में हास्य की परिस्थितियां बनती हैं और दर्शक हंस हंस कर लोटपोट होने को मजबूर होते हैं। आखिर में जिस कहानी पर फिल्म बनती है उसमें अनारकली को दीवार में नहीं चुनवाया जाता। उसकी जगह दीवार में सलीम को चुनवाने की सजा मिलती है।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दिया विद्यार्थियों को संदेश

दूसरों के हिस्से की खुशी दें, अपनी खुशी खुद मिलेगी

मेडिकल कालेज में एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने ली महर्षि चरक की शपथ

संदेश...

- मेडिकल के साथ ही संस्कृति और संस्कारों की भी मिलेगी शिक्षा
- समय के महत्व को समझें और खुद की कीमत पहचानें
- लोगों का सफेद कोट पहनने वालों पर भगवान की तरह है विश्वास
- यहां रह कर आप कितना हासिल करेंगे यह सिर्फ आप पर ही निर्भर
- जिंदगी में ख्वाब जरूरी, इन्हें देखिए और पूरा करने को मेहनत करें
- समय के साथ खुद को बदलना, अपडेट और अपग्रेड करना जरूरी

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस के नए विद्यार्थियों के लिए व्हाइट कोट सेरेमनी आयोजित की गई। 19 फरवरी को इस आयोजन में मेडिकल कालेज के 16वें बैच के विद्यार्थियों को व्हाइट कोट पहनाया गया। जिसमें सभी ने मरीजों के उपचार और सेवा के लिए महर्षि चरक की शपथ ली। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और आश्वासन दिया कि आप हिंदुस्तान के गिने चुने सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कालेजों में से एक में शामिल हुए हैं। यहां आपको हमेशा कुछ न कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप यहां से बेस्ट डाक्टर बन कर निकलेंगे। आज से यह एसआरएमएस मेडिकल कालेज ही आपकी पहचान है। गुरु शिष्य की परंपरा के तहत आप अपना घर छोड़ कर यहां मेडिकल शिक्षा हासिल करने आए हैं। यहां मेडिकल की पूर्ण बेसिक शिक्षा के साथ ही भारतीय संस्कृति और संस्कारों की भी जानकारी दी जाएगी। आप कितना हासिल करेंगे यह आप पर ही निर्भर है। इसके लिए समय के महत्व को समझें और खुद की कीमत पहचान कर पढ़ाई पर अपना ध्यान फोकस करें। इसी से आप दुनिया के सर्वश्रेष्ट डाक्टर बनने में कामयाब होंगे। मरीजों का उपचार करते हुए आप उन पर एहसान की भावना न रखें बल्कि उन्हें उनके हिस्से की खुशी प्रदान करने की सोचें, आपको अपने हिस्से की खुशी खुद ही मिल जाएगी। पढ़ाई के दौरान सीनियर को बड़ा भाई और बहन माने। ये ताउम्र आपके सीनियर रहेंगे। इसलिए इसका सम्मान करें और इसने सीखें। देवमूर्ति जी ने नए विद्यार्थियों को सफेद कोट का महत्व बताया। कहा कि आज भी आम लोग सफेद कोट पहने हुए डाक्टर को भगवान मानता है। उन पर उसी तरह विश्वास करता है। कोविड के दौरान डाक्टरों ने यह साबित किया है और खुद पर विश्वास बढ़ाया है। यह विश्वास बनाए रखना अब आपकी जिम्मेदारी है। देवमूर्ति जी ने विद्यार्थियों को सफलता के टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि जिंदगी के लिए ख्वाब जरूरी हैं। इन्हें देखिए और पूरा करने के लिए पूरी मेहनत कीजिए। इसके साथ ही खुद को बदलना भी जरूरी है। इसके लिए खुद को अपडेट रखिए और अपग्रेड होइए। आज से ही तैयारी शुरू कीजिए। दुनिया आपका इंतजार कर रही है। अपनी शक्ति पहचानिए। उसे निखारिये और सफतला हासिल कीजिए।

मेडिकल कालेज के डायरेक्टर एडमिनिसट्रेशन आदित्य मूर्ति जी ने एसआरएमएस ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थानों की जानकारी देने के साथ ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे समाज सेवा के कामों का जिक्र किया। उन्होंने मेडिकल प्रोफेशन को विश्वास का पेशा बताया और कहा कि मरीज विश्वास करने के कारण ही डाक्टर के पास आता है। उसकी बात मान कर उसके अनुसार दवाइयां लेता है। विश्वास का यह बंधन ताउम्र बंधा रहता है। यहां आपको यही विश्वास और प्यार मिलेगा।

मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने विद्यार्थियों को महर्षि चरक की शपथ दिलाई और विद्यार्थियों को मरीजों को सर्वप्रथम मानने पर जोर दिया। उन्होंने मेडिकल कालेज की उपलब्धियों और कोरोना काल में की गयी सेवा का भी जिक्र किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई और मेहनत का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई के दौरान की गई आपकी मेहनत ही आपको बेस्ट डाक्टर बनाएगी। इस व्हाइट कोट को अपनी सेकेंड स्किन और कालेज को सेकेंड होम मानने से ही यह सफलता मिलेगी। हां इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। डा.गुप्ता ने विद्यार्थियों और उनके परिजनों को कालेज के नियमों की भी जानकारी दी। डीन यूजी डा.नीलिमा मेहरोत्रा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और उपस्थिति सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह, वाइस प्रिंसिपल डा. एनके अरोरा, डीन पीजी डा. पीएल प्रसाद, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, डा. बिंदु गर्ग, डा. तारिक महमूद, डा. कृष्ण गोपाल सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के विद्यार्थियों ने हासिल की उपलब्धियां

गोल्ड मैडल और नीट में सेलेक्शन

रुहेलखंड विश्वविद्यालय की परीक्षा में एमबीबीएस और एमडी में मिला पहला स्थान

चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दी डॉ. स्वर्णित भमरा और डॉ. अवंतिका छिमवाल को बधाई

- एसआरएमएस में पीजी करने वाले डाक्टरों का सुपरस्पेशियलिटी में चयन
- डा.अंशा सिन्हा और डा.सक्षम को नीट में मिला 35वां और 50वां स्थान
- एसआरएमएस के 18 डाक्टरों का नीट से एमएस और एमडी में हुआ चयन

डॉ. अंशा सिन्हा

डॉ. स्वर्णित भमरा

डॉ. अवंतिका छिमवाल

डॉ. सक्षम सेठ

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज के विद्यार्थियों (डाक्टर) ने कई उपलब्धियां अपने नाम कीं। एमबीबीएस और एमडी के दो विद्यार्थियों ने अपने-अपने कोर्स में विश्वविद्यालय में पहला स्थान हासिल कर एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में गोल्ड मैडल प्राप्त किया। इसके साथ ही यहां के विद्यार्थियों ने नीट सुपर स्पेशियलिटी और नीट पीजी में आल इंडिया रैंकिंग हासिल कर अपने साथ संस्थान का भी नाम रौशन किया है। यह जानकारी कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने दी। उन्होंने कहा कि इस बार 2017 बैच के एमडी/एमएस करने वाले नौ डाक्टरों ने नीट सुपर स्पेशियलिटी की सीट हासिल करने में सफलता पाई है। इनमें से दो विद्यार्थियों डा.अंशा सिन्हा और डा.सक्षम सेठ ने आल इंडिया रैंकिंग में 35वां और 50वां स्थान प्राप्त किया। ज्यादातर डाक्टरों ने नीट सुपरस्पेशियलिटी के पहले ही अटैंप्ट में सफलता हासिल की।

SUPER SPECIALITY SELECTION IN YEAR 2022

Sr. No.	Name	NEET Super Speciality All India Rank	Super Specialty Course
1	Dr. Ansha Sinha	35	DM Pulmonary
2	Dr. Saksham Seth	50	Gastroenterology
3	Dr. Rajat Pachori (First Attempt)	125	Cardiology
4	Dr. Ankit Anand (First Attempt)	147	Gastroenterology
5	Dr. Rajat Mangal(First Attempt)	190	Nephrology
6	Dr. Ankit Grover (First Attempt)	220	Nephrology
7	Dr. Pranav Mehta(First Attempt)	300	Gastroenterology
8	Dr. Astha	308	MCH Plastic Surgery
9	Dr. Abhishek Dixit	720	Gastroenterology

इसी तरह यहां एमबीबीएस कर रहे लगभग सभी विद्यार्थियों ने भी नीट पीजी में अपना स्थान पक्का किया है। 18 विद्यार्थियों ने पीजी के लिए अपने कालेजों में प्रवेश भी ले लिया। इनमें से दस विद्यार्थियों ने एसआरएमएस से ही पीजी सीट हासिल की है। इससे पहले 27 जनवरी को हुए दीक्षांत समारोह में एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पैथालाजी विभाग में एमडी कर रही छात्रा स्वर्णीत भमरा ने गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएट की मेरिट में पहला स्थान प्राप्त किया। इसी तरह एमबीबीएस कर रही छात्रा अवंतिका छिमवाल ने भी अंडर ग्रेजुएट वर्ग में गोल्ड मैडल हासिल किया। उन्होंने भी एमबीबीएस में विश्वविद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया है। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर पीके जोशी ने दोनों छात्राओं को प्रशस्ति पत्र के साथ डिग्री प्रदान की। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी और मेडिकल कालेज में डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी ने स्वर्णीत भमरा और अवंतिका छिमवाल को बधाई देने के साथ उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। सुपरस्पेशियलिटी और नीट पीजी में चयनित विद्यार्थियों को भी दोनों लोगों ने बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सभी विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय मेडिकल कालेज के अपने गुरुओं और कालेज की गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई को दिया है।

SRMS Alumni Opted PG Seats in Session 2021-22

Name	Branch Name	Opted College
Nakul Gupta	General Medicine	SRMS
Deepanvita Saran	Md Anaesthesia	SRMS
Sujata Maurya	Md Dermatology	SRMS
Aayush Gagneja	Md Psychiatry	SRMS
Vinayak Agrawal	Md Respiratory Medicine	SRMS
Prateek Pant	Ms General Surgery	SRMS
Rashika Gupta	Ms Obstetrics & Gynaecology	SRMS
Simran Tyagi	Ms Obstetrics & Gynaecology	SRMS
Bhoomika Setiya	Ms Obstetrics & Gynaecology	SRMS
Kshipra Trivedi	Ms Ophthalmology	SRMS
Aseem Yadav	Ms General Surgery	KGMC Lucknow
Aayushi Agarwal	Ms Obs & Gyn.	SNMC Agra
Riya Jindal	Md Radio-Diagnosis	ERA
Ayush Agarwal	ENT	Hind Sitapur
Achintya Agarwal	General Medicine	TMU, Moradabad
Riya Gupta	Md Dermatology	Hind Sitapur
Nikita Gupta	Md Radio-Diagnosis	RKMC, Bareilly
Pavit Singh	Ms General Surgery	RKMC, Bareilly

एसआरएमएस और विभाग पर गहरी छाप छोड़ कर सेवानिवृत हुए डा.प्रदीप साही

एनेस्थेसिया विभाग में एचओडी प्रोफेसर द्धडा.ऋ प्रदीप साही पिछले माह सेवानिवृत हो गए। उनके सम्मान में आथ्रेल्मोलाजी विभाग की रिव्यू मीटिंग के दौरान विभाग की एचओडी प्रोफेसर द्धडा.ऋ नीलिमा मेहरोत्रा की ओर से उनके सम्मान में फेयरवेल पाटद्ध आयोजित की गई। इसमें सभी विभागाध्यक्षों और फैकेल्टी मेंबर्स के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी भी मौजूद रहे। इस मौके पर डा.प्रदीप ने केक काटा। सभी ने उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं और बधाइयां दीं। डा.प्रदीप साही ने एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 23 अक्टूबर 2018 को ज्वाइन किया था। तभी से वह एनेस्थेसिया विभाग में एचओडी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे पहले वह झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज में एनेस्थेसिया विभाग में एचओडी थे। उन्होंने 1973 में कानपुर स्थित जीएसवीएम मेडिकल कालेज से एमबीबीएस किया और फिर यहीं से 1976 में डीए और 1978 में एनेस्थेसिया ब्रांच में एमडी की डिग्री हासिल की थी। अलग अलग मेडिकल कालेज में काम करने के बाद उन्होंने महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज में लेक्चरर के रूप में अपना करियर आरंभ किया और यहीं एचओडी बने।

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग में हुआ तीसरी अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन

डिजिटलाइजेशन से हुआ क्रांतिकारी बदलाव: देवमूर्ति

इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान स्मारिका का विमोचन करते चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, इं. सुभाष मेहरा और डॉ. रूचि गर्ग

- अमेरिका के सीनियर टैक्स कंसल्टेंट, केके मोदी विश्वविद्यालय की कुलपति हुई शामिल
- समकालीन बिजनेस प्रैक्टिस के जरिये सतत आर्थिक विकास के मुद्दे पर हुआ विचार विमर्श

बरेली: मुझे याद है जब मैंने 1974 में एमकाम किया था, तब टेलीग्राम का जमाना था। फैक्स की शुरुआत हुई थी। कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी चीजें कोई जानता तक नहीं था। आज इनके बिना काम संभव नहीं। लेकिन दुनिया ने इस तीस वर्ष में जितना बदलाव देखा, वह पिछले दो वर्ष के मुकाबले कुछ भी नहीं। कोविड महामारी ने सारे स्थापित पैमानों को बदल कर रख दिया। पुराना ढांचा टूट गया और अब नये जमाने के नये पैरामीटर हैं। यह सारा बदलाव डिजिटलाइजेशन से आया है। इसके बिना आज किसी भी तरह की व्यावसायिक, शैक्षिक, सामाजिक गतिविधियां संचालित करने की कल्पना भी बेमानी है। कोविड महामारी के दौरान भी जो इसे अपनाने में पीछे रहा। या बदलाव को समझ पाने में नाकाम रहा वह पीछे छूट गया। जिसने बदलाव को स्वीकारा और डिजिटलाइजेशन को अपनाया वह तेजी से आगे बढ़ गया। यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी में आयोजित तीसरी अंतराष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में कही। उन्होंने कहा कि बदलाव को स्वीकार करके ही आगे बढ़ना संभव है। इसके बिना नहीं।

श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी में 26 फरवरी 22 को 'इमर्जिंग इश्यूज आन कंटेपररी बिजनेस प्रैक्टिस इन द ऐरा आफ इंटेलिजेंस'- सस्टेनबल इकोनामिक डेवलपमेंट थ्रू टेक्नोलाजिकल ट्रांसफोर्मेशन विषय पर तृतीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। मास्टर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मास्टर आफ कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग द्वारा तीन सत्रों में आयोजित यह हाइब्रिड कांफ्रेंस आनलाइन और आफलाइन हुई। यूनाइटेड नेशंस बोर्ड ग्लोबल कांपैक्ट नेटवर्क इंडिया (यूएनजीसी) और डा.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के सहयोग से आने वाली इस कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में छत्तीसगढ़ स्थित दुर्ग में केके मोदी विश्वविद्यालय की कुलपति डा.मोनिका सेठी ने मुख्य अतिथि के रूप में और धामपुर शुगर मिल्स लिमिटेड के मानव संसाधन प्रमुख आशीष शुक्ला और अमेरिका के वरिष्ठ कर सलाहकार मेंडल वाल्स ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। आनलाइन उपस्थिति में इन्होंने पिछले तीस वर्ष के दौरान होने वाले परिवर्तन और तकनीकी परिवर्तन के जरिये भविष्य की रूपरेखा रखी। एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी ने एमबीए और एमसीए विभाग को कांफ्रेंस आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही टेक्नालाजी में आ रहे बदलावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टेक्नालाजी ने आज सब बदल दिया है। इसकी मदद से कोविड महामारी के दौरान भी बिजनेस में बदलाव आया। इस समय भी टेक्नालाजी की मदद लेकर बहुत से व्यापार और कारोबार आगे बढ़ गए और जो इसकी मदद नहीं ले पाए वो या तो खत्म हो गए या समाप्त होने की कगार पर हैं। टेक्नालाजी ने विश्वभर में बिजनेस प्रोसेस बदल दिए हैं। डिजिटलाइजेशन का सबसे ज्यादा फायदा बैंकिंग क्षेत्र को मिला। इसी की वजह से आज बैंकों में लाइन नहीं लगानी पड़ती। इसमें कोई दो राय नहीं कि टेक्नालाजी ने लाइफ आसान की है। डा.मोनिका सेठी ने 1990 के दशक का जिक्र किया। कहा कि इस दौर में हम टेलीग्राम और ट्रंककाल के साथ बढ़ रहे थे। लेकिन तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था और टेक्नालाजी ने व्यापक बदलाव किए। कंप्यूटराइजेशन से आईटी का दौर शुरू हुआ। जिसने सभी तरह की व्यापारिक, शैक्षिक और औद्योगिक गतिविधियों पर सकारात्मक प्रभाव डाल कर बदल दिया। विकास को नए आयाम दिए। कोविड महामारी ने भले ही पूरे विश्व को झकझोरा हो लेकिन इसके बाद भी सकारात्मक बदलाव सामने आए हैं। इसकी वजह से हम आज भी बेहतर भविष्य की ओर देख रहे हैं। आशीष शुक्ला ने इंडस्ट्री में आने वाले बदलावों का जिक्र किया। 2008 में आर्थिक मंदी और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को बताया और इसके बाद भी हो रहे सकारात्मक

साथ आए एसआरएमएस और इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन

फार्मेसी के विद्यार्थियों के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर

बरेली: फार्मेसी के विद्यार्थियों को तकनीकि शिक्षा, स्टार्टअप और रोजगार के विभिन्न अवसरों को सुनिश्चित कराने के लिए एसआरएमए ट्रस्ट और इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन के बीच सहमति बनी है। इस संबंध में 26 फरवरी को एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के फार्मेसी विभाग और इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन की दिल्ली स्टेट शाखा के बीच सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी ने विद्यार्थियों को बधाई दी और उन्हें नए अवसरों का भरपूर फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया। इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन की दिल्ली स्टेट शाखा के अध्यक्ष डा.कल्हन बजाज, सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड आर्गेनाइजेशन के ड्रग इंस्पेक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंव रिसर्च यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डा.सौरभ दहिया और राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को डिजिटल प्रौद्योगिकी के विकास और कोविड महामारी के बाद फार्मास्युटिकल सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसआरएमएस सीईटी के निदेशक फार्मेसी डा.नितिन शर्मा ने सभी वक्ताओं का आभार जताया और सहमति पत्र पर हस्ताक्षर होने पर खुशी जताई। इस मौके पर डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, डायरेक्टर टीडीपी सेल डा.अनुज कुमार, डा.नीता दव, दीपाली गुप्ता, शिप्रा शर्मा और सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक व फार्मेसी के विद्यार्थी मौजूद रहे।

पूजन

परिवर्तनों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रभाव होने के बाद भी कोविड महामारी के दौरान उत्पादकता बढ़ी है। हेल्थकेयर में विकास के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रांसपोर्टेशन भी तेजी से बढ़ रहा है। डिजिटल टेक्नोलाजी ने इस दौरान अपनी उपयोगिता सबको दिखा दी। इसके साथ ही इंफार्मेशन टेक्नालाजी और एनर्जी के सोर्स में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मानव संसाधन के क्षेत्र में भी यह बदलाव दिख रहा है। आज नई स्किल सीखने वाले और टेक्नालाजी की जानकारी रखने वाले युवाओं को भी नौकरी में दिक्कतें नहीं आ रहीं। मेंडल वाल्स ने पाजिटिव एटीट्यूट से आज के दौर की नई चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी। साथ ही सफलता हासिल करने के लिए पारंपरिक तरीकों के बजाय नई प्रैक्टिस पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई टेक्नालाजी को अपनाकर ही आज अपेक्षित सफलता पाना संभव है। यही सफल होने के लिए जरूरी भी है।

इससे पहले सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता ने कांफ्रेंस में सभी का स्वागत किया और इसकी वजह बताई। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने गरीबी, भुखमरी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे 17 मामलों को अपने घोषणा पत्र में स्थान दिया था। लेकिन आज भी ज्यातातर लोग गरीबी और भुखमरी से संघर्ष करने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य न मिलने से परेशान हैं। टेक्नोलाजी की मदद से इसे हासिल किया जा सकता है। इस कांफ्रेंस का उद्देश्य अपने विद्यार्थियों को टेक्नालाजी में आ रहे बदलावों से परिचित कराना और इसके लिए तैयार करना है। प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर डा.अनुज कुमार ने आज के समय को तकनीकी का युग बताया। उन्होंने कहा कि इसका सही इस्तेमाल कर ही खुशी हासिल की जा सकती है। समृद्ध और सुरक्षित भविष्य का निर्माण भी इसी की मदद से हो सकता है। डा.अनुज ने टेक्नालाजी ट्रांसफार्मेशन के जरिये बाजार में आ रहे बदलावों का भी जिक्र किया और विद्यार्थियों को टेक्नालाजी अपनाकर जीवन में सकारात्मक बदलाव की अपील की। एमटेक प्रोग्राम की एकेडेमिक कोआर्डिनेटर डा.रुचि जैन गर्ग ने सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया। दूसरे टेक्निकल सत्र में टैक्स, मार्केटिंग, ह्यूमर रिसोर्स, जनरल मैनेजमेंट एवं आईटी और फाइनेंस विषयों पर चर्चा हुई। इस सत्र में सऊदी अरेबिया की सऊदी इलेक्ट्रानिक यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अमर जौहरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने टेक्नालाजी के बढ़ते महत्व पर जानकारी दी। तीसरे सत्र वेलिडिक्टरी सेशन में बंगलुरु के दयानंद सागर कालेज आफ इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डा.टीसी मंजूनाथ ने संबोधित किया। पहले सत्र का संचालन हैपी सिन्हा ने किया। तीनों सत्रों में आनलाइन और आफलाइन रूप में 62 रिसर्च पेपर्स को सम्मिलित किया गया। इस मौके पर कांफ्रेंस की स्मारिका का भी विमोचन हुआ। इंजीनियर सुभाष मेहरा, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, एमसीए के एचओडी डा. संजय कुमार, डा.नितिन शर्मा, डा.अंकुर कुमार, डा.कपिल भूषण, डा.एएस यादव, सभी फैकल्टी, एमसीए और एमबीए के विद्यार्थी मौजूद रहे।

आईबीएस के न्यूक्लियस स्पोर्ट्स क्लब

एसआरएमएस आईबीएस में 16 फरवरी को खोखो प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्पोर्ट्स क्लब न्यूक्लियस की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में चार टीमों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने खो-खो में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने खेल व्यवहार और टीम भावना के महत्व को भी सीखा, जो उनके पेशेवर करियर पर भी प्रभाव डालते हैं। विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी और पुरस्कार दिया गया।

इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स पर कार्यक्रम

बरेली स्थित एसआरएमएस सीईटी में 15 फरवरी को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के पेटेंट कार्यालय के सहयोग से इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स पर जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कालेज के डीन डा.प्रभाकर गुप्ता ने मुख्य वक्ता पेटेंट और डिजाइन के परीक्षक शैलेंद्र सिंह का स्वागत किया। शैलेंद्र सिंह ने इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स की पूर्ण सकल अवधारणाओं को साझा किया। पेटेंट को मूलभूत आवश्यकताओं और इसके फाइल करने की प्रक्रिया की भी उन्होंने जानकारी दी। फार्मेसी विभाग के निदेशक डा.नितिन शर्मा ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर टीडीपी सेल के निदेशक डा.अनुज कुमार, डा.नीता यादव, डा.दीपाली गुप्ता और सभी विभागाध्यक्ष और फैकेल्टी मौजूद रहे।

एसआरएमएस पैरामेडिकल में सीनियर्स को दी विदाई

बरेली। एसआरएमएस कालेज आफ पैरामेडिकल में पांच फरवरी को पैरामेडिकल विद्यार्थियों ने 2016-17 बैच के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से हुई। वाइब्रेंट क्लब की प्रेसिडेंट स्वर्णिमा सिंह ने पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। पैरामेडिकल छात्रा उर्वी ने रीमिक्स सांग पर डांस किया। साक्षी मिश्रा ने डांस परफार्मेंस दी। आयुष झा ने शानदार कामेडी से गुदगुदाया। म्यूजिकल चेयर्स में नानक और बलून ब्लास्ट में आकाश और दानिश फर्स्ट आए। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटच प्रस्तुति को सीनियर्स ने खूब सराहा। विद्यार्थियों ने अपनी हास्य व्यंग कविताओं से सभी को हंसने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में पैरामेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. कृष्ण गोपाल, आईएमएस के प्रभारी प्रिंसिपल डा. एनके अरोड़ा, ई. सुभाष मेहरा, डीन यूजी डा. नीलिमा मेहरोत्रा, आशीष चौहान, इमरान अहमद अंसारी, पैरामेडिकल स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईबीएस में डांस क्लब मुद्रा का डांस कंप्टीशन

एसआरएमएस आईबीएस के डांस क्लब मुद्रा की ओर से 19 फरवरी को डांस कंपटीशन आयोजित करवाया। सोलो, डुएट और ग्रुप डांस की विभिन्न श्रेणियों में आयोजित इस कंपटीशन की थीम अतुल्य भारत रखी गई। यूजी और पीजी स्तर पर सभी छात्रों ने उत्साह और उत्साह के साथ इसमें भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और गणेश वंदना से हुई। इसके बाद समूह नृत्य किया गया जहां छात्रों ने देश के गरबा, हरियाणवी, राजस्थानी, मराठी और कथक जैसी विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया। कंपटीशन के सोलो डांस में सेजल यादव को सर्वश्रेष्ठ चुना गया और उन्हें ट्राफी प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ डुएट डांस की टाफी अनुश्री सिंह और आयुश्री सिंह को मिली। सर्वश्रेष्ठ समूह नृत्य की ट्राफी मराठी लावणी नृत्य प्रस्तुत करने वाले नृत्य समूह दीया बजाज, शुभांगी जायसवाल, अदिति सिंह, अवि शुक्ला और गरिमा शुक्ला को दी गई। कार्यक्रम में छात्रों और संकाय सदस्यों ने खूब मस्ती की।

इफेक्टिव प्रोजेक्ट रिस्क मैनेजमेंट पर वेबिनार

बरेली: स्थित एसआरएमएस सीईटी में 12 फरवरी को इफेक्टिव प्रोजेक्ट रिस्क मैनेजमेंट पर वेबिनार हुआ। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित इस वेबिनार में कंप्यूटर साइंस फील्ड के विशेषज्ञ और एबीबी बंगलुरू के ओनर मनीष त्यागी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। विभागाध्यक्ष इंजीनियर हीरेश कुमार गुप्ता ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। सतीश मेकले ने विषय की जानकारी दी और डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता ने इफेक्टिव प्रोजेक्ट रिस्क मैनेजमेंट पर अपने विचार व्यक्त की। मनीष त्यागी ने प्रोजेक्ट् में रिस्क आने के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इसे रोकने के उपायों का जिक्र किया। इस मौके पर डा.अनुज कुमार, डा.एलएस मौर्य, डा. प्रदीप कुमार, रौशनी कपूर, सचिन कुमार सक्सेना और सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

लॉ के विद्यार्थियों ने किया कोर्ट विजिट

बरेली: स्थित एसआरएमएस कालेज आफ लॉ के विद्यार्थियों ने कोर्ट विजिट कर वहां की कार्यवाही देखी। 23 और 24 फरवरी को विधि पंच वर्षीय और त्रिवर्षीय कोर्स के विद्यार्थी जिला एवं सत्र न्यायालय पहुंचे। वहां न्यायिक कार्यवाही का अवलोकन किया। बेंच एवं बार के संबंध में जानकारी हासिल की। इसके साथ ही जिला जज एवं अधिवक्ताओं के उनके अनुभवों को साझा किया। विद्यार्थियों का नेतृत्व एकेडेमिकक कोआर्डिनेटर डा.अनुराधा यादव ने किया। इस मौके पर कालेज के सहायक प्रवक्ता सुषमा सागर, हरीश चंद्र सिंह, राजेश गुप्ता भी मौजूद रहे।

मैं, मेरा परिवार और मेरा राष्ट्र पर व्याख्यान

बरेली: स्थित एसआरएमएस सीईटी में 11 फरवरी को मैं, मेरा परिवार और मेरा राष्ट्र विषय पर व्याख्यान हुआ। इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग की ओर से आनलाइन हुए इस कार्यक्रम में आईआईटी खड़गपुर पूर्व छात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष और कमांडर वीके जेटली मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राष्ट्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और परिवार के महत्व को भी बताया। इस मौके पर डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, विभागाध्यक्ष डा.एएस यादव, मोनिका कथूरिया और फैकेल्टी मेंबर मौजूद रहे।

सीईटी में डिजाइन और मोशन ग्राफिक्स पर वेबिनार

बरेली: स्थित एसआरएमएस सीईटी में 9 फरवरी को डिजाइन और मोशन ग्राफिक्स विषय पर वेबिनार का आयोजन हुआ। इसमें मैक बरेली के सीनियर मोशन डिजाइनर कमल छाबरिया गेस्ट स्पीकर के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने एनिमेशन की बारीकियोंऔर स्किल डेवलपमेंट की जानकारी दी और इस फील्ड में विद्यार्थियों के कैरियर डेवलपमेंट पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए और उन्हें इस फील्ड से संबंधित अन्य जानकारियां भी प्रदान कीं। इस मौके पर डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट सेल निदेशक डा.अनुज कुमार, एमसीबी विभागाध्यक्ष डा.संजय कुमार, अरविंद मिश्रा और विजय कुमार दुबे मौजूद रहे।

व्यावसायिक खतरों की रोकथाम के लिए जागरुकता कैम्प

बरेली स्थित एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने 9 फरवरी को कम्युनिटी पोस्टिंग के दौरान धौराटांडा स्थित विभिन्न राइस मिलों का भ्रमण किया और वहां चावल मिल संचालन के दौरान होने वाले खतरों और संभावित दुर्घटनाओं के बारे में कार्यरत सभी वर्करों को जानकारी दी। विद्यार्थियों ने व्यावसायिक खतरों और उनकी रोकथाम के उपायों पर नुक्कड़ नाटक भी किया। इस मौके पर अनीस चंद्रन, शहबाज खान मौजूद रहे।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2001 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

बहू या बेटी

लेखक- अलका ठाकुर, पता- 570, लालकुर्ती बाजार, मेरठ कैंट

बहू अरी ओ बहू जल्दी से तैयार हो जा। सरस्वती देवी प्रसन्नचित्त मुद्रा में इधर से उधर चहलकदमी करती बोले जा रही थीं। फिर उन्होंने उसी मुद्रा में आवाज लगाई। ''अरी ओ ऋतु''। ''क्या है माँ''? खीझ कर ऋतु ने जवाब दिया तो सरस्वती देवी प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरती हुई बोली, देख ऋतु जरा भाभी को अच्छी तरह सजा-संवार दे। और हाँ, गुलाबी छापे वाली अमेरिकन साड़ी पहनाना उसे समझी ? सरस्वती देवी के स्वर में आदेश था और दिल में अपार ममता। वो अपनी बेटी ऋतु को ये सारी हिदायतें देकर रसोई घर में चली गई। आज तो सरस्वती देवी की खुशी का ठिकाना ही नहीं था। जब से प्रभात की मृत्यु हुई थी, उसके बाद से आज पहली बार उनके मुख से हँसी के दो बोल फूटे थे। उनके चेहरे पर न जाने कितने दिनों बाद आज हँसी की एक रेखा उभरी थी। वह अपने कार्य में व्यस्त थी, पर हल्की-हल्की यादों के साए उनके इर्द-गिर्द मंडरा रहे थे। दो वर्ष पूर्व ही तो मानसी ब्याह कर आयी थी, तब सरस्वती देवी कितनी खुश थी। बहू जो उनकी पसँद की थी। दहेज तो कुछ मिला नहीं था, क्योंकि मानसी के माता पिता तो थे नहीं, मामा ने पाला-पोसा था और ऐसी बात भी नहीं थी कि मामा गरीब रहे हो, पर अपनी संतान के आगे कौन किसी का ख्याल रखता है। फिर भी सरस्वती देवी का घर-आँगन खुशियों से भर उठा था।

प्रभात के बाबू जी रमेशचन्द्र जी भी सवेरे से ही दौड़-धूप करके नहीं थक रहे थे, और वह ड्राइंग रूम में बैठे इधर-उधर इस प्रकार से निरीक्षण कर रहे थे, मानो जज की कुर्सी पर बैठे अपना फैसला सुनाने को उतावले हो रहे हो। उनके हाव-भाव बतला रहे थे, कि उन्हें किसी का इंतजार है। मानसी का हाल भी बेहाल था। उसका दिल धौंकनी की भाँति ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर की ओर उछल रहा था। आँखों से निरन्तर आँसुओं की धारा बह रही थी। किसी काम में जी नहीं लग रहा था.....क्या होगा ? किस तरह से होगा ? चिंता से उसका माथा पसीने से तर-बतर हुआ जा रहा था कि अचानक फिर किसी की आवाज ने उसके सीने में नश्तर सा चुभो दिया, अरी बहू अभी तक तुमने जूड़ा भी नहीं बनाया ? और ऋतु तो निरी बेवकूफ है, अल्हड़ कहीं की, हर बात पर खिजला रही है। कितनी बार उससे कहा कि भाभी को जाकर तैयार कर दे, लेकिन वह अपने कमरे से निकलती ही नहीं। समय कितना कम रह गया है, ला मैं ही जूड़ा बना दूँ। ड्रेसिंग टेबल से स्वयं ही कंघी उठाकर मानसी के बाल सरस्वती देवी सँवारने लगीं। उनका उतावलापन देखकर मानसी को अनायास ही हँसी आ गई- कितनी ममता है उनके हृदय में। शादी से पहले मेरे मन में सास के प्रति कितने गन्दे विचार थे, फिर जब मैं इस घर में आई तो मुझे खुद ही अपने विचारों पर शर्म महसूस होने लगी थी। यहाँ पर तो उसे मायके से भी ज्यादा प्यार व महत्व मिला था। मामा-मामी तो यही चाहते थे कि प्रभात के साथ उनकी बेटी लता का ही विवाह हो जाए, परन्तु प्रभात ने मुझे पसंद किया। प्रभात का ख्याल आते ही मानसी के पूरे शरीर में झुरीझुरी सी दौड़ गयी। होंठो पर आने वाली मुस्कान क्षीण हो गई। रमेशचन्द्र जी सरस्वती देवी को आवाज लगा रहे थे, अरे भई, अशोक बाबू सपरिवार आ गए हैं, तुम सब यहाँ जल्दी आओ। रमेश चन्द्र की आवाज सुनकर सरस्वती देवी ने जल्दी से जूड़ा बनाया और हिदायतें देकर ऋतु के कमरे की ओर चल पड़ी और फिर ऋतु को जल्द ही तैयार होकर ड्राइंग रूम में आने की हिदायत देकर स्वयं भागती हुई ड्राइंग रूम में पहुँच गयी। आज कितने अरसे बाद मानसी ने जूड़ा बनाया था। तैयार होकर जब उसने अपने आपको शीशे में देखा तो उसकी आँखें भर आई। उसकी सूनी माँग ने उसके सीने के उस सूनेपन को कुरेद दिया, जो डेढ़ वर्ष पहले उसकी सारी खुशियाँ लूट कर ले गई थी। शादी के छः महीने बाद ही प्रभात अपनी मोटर साइकिल से रोज की तरह दफ्तर जा रहा था कि अचानक एक यमदूतनुमा ट्रक उसे रौंदता हुआ निकल गया। उफ ! पलक झपकते ही उसके प्रभात की जीवन लीला समाप्त हो गई थी। ट्रक के उस ड्राइवर को सजा भी हुई थी। लेकिन क्या उससे उसका सुहाग वापिस मिल सकता था ? आज पूरे डेढ़ वर्ष बीत गए उस घटना को घटित हुए। घाव पर तो काफी मरहम लग चुका था, लेकिन उसकी पीड़ा अभी भी अंदर ही अंदर दिन के उस सूने आँगन में विद्यमान थी, जहाँ अभी उसे एक टीस सी महसूस हुई थी अपनी सूनी माँग देखकर।

सरस्वती देवी ने मानसी को उसके मायके भेजने से इंकार कर दिया था और अपने साथ ही रखा था। उस दिन से तो वो मानसी को बेटी की तरह ही मानने लगी थी। फिर आज वो खुश क्यों न हों ? सब उन्हें पागल समझ रहे हैं और ऋतु खैर उसका सोचना भी सार्थक है। ऋतु ने जब मानसी को जब गुलाबी साड़ी पहने हुए देखा, तब उसके हृदय में एक टीस-सी उठी। ये साड़ी तो माँ उसके लिए लाई थी, खासतौर पर उसके विवाह के लिए। मेरे माँ बाप भी कैसे विचित्र हैं, अपनी लड़की से ज्यादा तो उन्हें अपनी विधवा

बहू का ख्याल है और फिर अब ये बहू कैसी ? भईया तो हैं ही नहीं। फिर इनके यहाँ पर रहने का औचित्य ही क्या बनता है ? इनकी वजह से ही मेरे माँ-बाप को मेरी शादी की तो कोई चिंता नहीं है और बहु की दूसरी शादी रचाने के लिए कितने चिंतित हैं। मेरा तो भाग्य ही खोटा है। भईया की मृत्यु के बाद अब मैं ही इनकी इकलौती संतान हूँ, पर मेरे हक मेरी इच्छाओं की इन्हें कोई चिंता ही नहीं। मेरे साथ की कितनी लड़कियों का विवाह हो चुका और फिर भईया की शादी के बाद से ही मेरे लिए रिश्ता ढूंढा जाने लगा था, पर अचानक भईया की मृत्यु हो जाने से शादी की सारी बातचीत बन्द हो गई थी और फिर जब समय आया तो मेरी बजाय विधवा बहू का रिश्ता ढूँढने लगे। सरस्वती देवी की आवाज निरंतर ही आती जा रही थी- ऋतु ओ ऋतु! भाभी को लेकर आओ यहाँ। लेकिन उनकी बातों की कोई कीमत नहीं थी। मानसी ने देखा तो उसकी आँखें दर्द से उमड़ पड़ीं। उसे अपने आप पर ही क्रोध आने लगा-वो क्यों इस रिश्ते के लिए तैयार हो गयी ? क्यों उसने पुनर्विवाह की हामी भर दी ? पर करती भी क्या ? सरस्वती देवी ने उसे कितना समझाया था, फिर अपनी सौगन्ध के साथ-साथ प्रभात की भी सौगन्ध दे दी थी- अब तो मना भी कैसे करती ? उसे तो खुद ऋतु का अधिकार छिनने का अफसोस था। उसके कंधों पर अचानक कोई स्पर्श महसूस हुआ। उसने पीछे मुड़कर देखा तो सरस्वती देवी खड़ी थीं। उन्होंने बड़े प्यार से मानसी को सहारा दिया और उसे अपने साथ ड्राइंग रूम तक ले आई।

औपचारिकतावश सबको हाथ जोड़कर मानसी एक सोफे पर सिमट गई। उसके इर्द-गिर्द अशोक बाबू, उनकी पत्नी व उनका लड़का राजीव बैठे थे। अशोक बाबू की पत्नी ने अपनी उंगलियों को मानसी की ठोड़ी पर लगाकर उसका चेहरा ऊपर किया। सबकी निगाहें मानसी को ही देख रहीं थीं और मानसी की गंभीरता का आवरण पहने प्रतिमा बनी मूर्तिवत बैठी थी। उसे तो तब होश आया जब अशोक बाबू रमेशचन्द्र जी से कह रहे थे, भई सास-ससुर हो तो आपके समान। बहू को लड़की से बढ़कर मानने वाले। अब आप अपनी सुविधा से विवाह की तारीख पक्की करवा लीजिए। हम लोग भी मानसी को आप लोगों की तरह ही सँभाल कर बड़े प्यार से रखेंगे। मानसी ने ज्यों ही निगाहें ऊपर उठाई तो उसकी निगाहें राजीव की निगाहों से मिल गई, वह भी मानसी को बड़े प्यार से देख रहा था, उसके चेहरे पर प्रसन्नता थी। मानसी का सारा बदन सहर उठा। राजीव वास्तव में बहुत सुंदर था। प्रभात से किसी मामले में कम नहीं था। उसकी भी एक शादी हो चुकी थी और एक वर्ष की एक मासूम बच्ची को छोड़कर उसकी पत्नी चल बसी थी। उसी बच्ची की परवरिश के लिए राजीव भी बड़ी मुश्किलों से दूसरी शादी करने के लिए रजामंद हुआ था। बड़ी लगन से शादी की तैयारियाँ होने लगीं। सरस्वती देवी हर प्रकार से दहेज का सामान जुटा रही थीं। उन्होंने ऋतु के लिए जो सामान खरीद कर रखे थे, अब मानसी को देने की सोच ली थी और ऋतु हर वक्त कुढ़ी-भुनी-सी भाभी के भाग्य से जलती रहती। पर रमेशचन्द्र जी ने आकर अपनी पत्नी को बताया कि वो नाहक दहेज के पीछे पड़ी हैं, अशोक बाबू और राजीव ने तो दहेज में किसी भी प्रकार का सामान लेने से साफ मना कर दिया है। तब तो सरस्वती देवी और भी प्रसन्न हो गई थीं और वो भी इस प्रथा के खिलाफ हो गई थी। जब से रोज बहू बेटियों के जल कर मरने, आत्महत्या करने व अन्य हिंसक घटनाओं के पीछे दहेज को लेकर बातें सुनती तो उनके शरीर में झुरझुरी-सी उठने लगती। मानसी की शादी तय करने के बाद से अब रमेशचन्द्र ऋतु के लिए चिंतित थे। वो चाहते थे दोनों का विवाह एक साथ ही कर दिया जाए, तो अच्छा हो।

किसी तरह दौड़ -धूप करके उन्होंने एक इंजीनियर लड़के को तलाश कर ही लिया। जब वो लोग ऋतु को देखने आने वाले थे, तो ऋतु की खुशी का ठिकाना न था। मानसी भी बहुत खुश थी। उसने बड़ी हसरत से ऋतु को सजाया। ऋतु मानसी का अपने प्रति इतना स्नेहिल व्यवहार देखकर हतप्रभ रह गई। उसने हमेशा मानसी की उपेक्षा की थी। उसे स्वप्न में भी मानसी से ऐसी आशा न थी। उसके मन के सारे पाप धुल गए और वो मानसी से लिपटकर रो पड़ी, मानसी की आँखें भी नम हो आई। रमेशचन्द्र के घर दो मण्डप एक साथ सजाए गए। बड़ी धूमधाम से दोनों का विवाह रचाया गया। देखने वाले आश्चर्य चकित रह गए। कोई अंदाजा नहीं लगा सका कि इसमें कौन इनकी बेटी है और कौन सी बहू। बहुत से लोगों ने उनके इस व्यवहार से शिक्षा ली। जब दोनों विदा होने लगी तो सरस्वती देवी पछाड़ खाकर गिर पड़ीं। रमेशचन्द्र भी अपने मुँह को हाथों से ढाँप कर फफक पड़े। देखने वालों की आँखें भी बिना भीगे न रह सकीं।

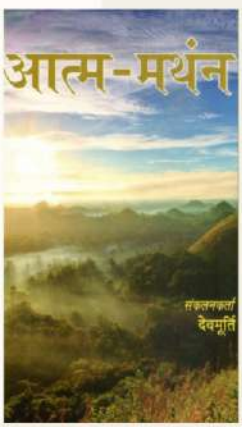

जब सरस्वती देवी को होश आया तो धीरे-धीरे वे अपने दोनों समधियों के पास गईं। पहले ऋतु के सास-ससुर से हाथ जोड़कर रूंधे हुए कंठ से बोलीं समधी जी ऋतु को बहुत प्यार से रखिएगा, उसे जल्दी विदा कर दीजिएगा और फिर रोते-रोते ही वो मानसी और ऋतु के करीब आई तुम दोनों मेरी बेटी हो अपनी माँ को मत भूलना। मानसी तू मेरे प्रभात मेरे बेटे की निशानी है। मेरी बेटी अपनी इस माँ के पास आती रहना। आज से यह घर तेरी माँ का घर है। सरस्वती देवी की हिचकियाँ बंध गई। धीरे-धीरे सबकी सिसकियाँ शहनाई की गूंज में मिल गई और दोनों बेटियाँ अपने-अपने पिया के संग विदा हो गई।

(समाप्त)

रिद्धिमा

ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना

सीईटी बरेली

बरेली: श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के बरेली और लखनऊ स्थित शैक्षिक संस्थानों में पांच फरवरी को वसंत पंचमी पर्व पूरी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग, एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग, टेक्नालाजी एंड रिसर्च, एसआरएमएस कालेज आफ ला, मेडिकल कालेज और रिद्धिमा स्थित लाइब्रेरी में विधि विधान से ज्ञान, कला और संस्कृति की आराध्य देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना हुई। इसके बाद आडिटोरियम में विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना के साथ संस्थान गीत गाया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने भजन भी प्रस्तुत किए। मेडिकल कालेज में प्रभारी प्रिंसिपल डा. एनके अरोड़ा और मेडिकल सुप्रिंटेंडेंट डा. आरपी सिंह ने पूजन किया। कार्यक्रम में डीन पीजी डा. पीएल प्रसाद, डीन यूजी डा. नीलिमा मेहरोत्रा, डीएसडब्ल्यू डा. क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, पैरामेडिकल स्टाफ, डाक्टर्स मेडिकल स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे। सीईटी में प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, नितिन शर्मा, सीईटीआर में डा. ज्योतिर्मय पटेल, ला कालेज में कोआर्डिनेटर डा.अनुराधा यादव, नर्सिंग में प्रिंसिपल डा.रिंटू चतुर्वेदी, डाक्टर, विद्यार्थियों व शिक्षकों ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना की। लखनऊ स्थित आईबीएस और स्कूल में डायरेक्टर श्यामल गुप्ता जी ने पूजा अर्चना की। इस मौके पर विभागाध्यक्ष और सभी फैकेल्टी मेंबर मौजूद रहे। सभी स्थानों पर पूजा के बाद प्रसाद वितरण हुआ।

आईएमएस

आईबीएस लखनऊ

नर्सिंग कॉलेज, बरेली

आईएमएस

सीईटी, बरेली

रुहेलखंड का बड़ा गैस्ट्रो सर्जरी सेंटर है एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल

पेट से निकाला दस किलो का ट्यूमर

अपने परिजनों के साथ विकास मिश्रा

- लखीमपुर के विकास मिश्रा का आपरेशन कर डा.अमित ने दिया जीवनदान
- पेट की सभी तकलीफों का सफल इलाज कर रहे गैस्ट्रो सर्जन डा. सक्सेना
- हार्निया से लेकर मुश्किल व्हिपल्स तकनीकी से आपरेशन भी हो रहा है यहां
- मोटापा कम करने को बैरियाट्रिक सर्जरी से आपरेशन कराने भी आ रहे लोग
- गालब्लैडर, पैनक्रियाज, किडनी में स्टोन निकलवाने वालों की बढ़ी संख्या

बरेली: लखीमपुर के गांव भोगियापुर के विकास मिश्रा (24 वर्ष) को काफी दिनों से पेट में दर्द की शिकायत थी। मामूली समझ कर वे और उनके परिजन इसका स्थानीय इलाज इलाज कराते रहे। कुछ दिन पहले दर्द के साथ ही पेट बढ़ने पर इस तरफ ज्यादा ध्यान गया। परिजन उन्हें लेकर लखीमपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचे। जहां अल्ट्रासाउंड में गांठ का पता चला। सीटी स्कैन में गांठ की पूरी जानकारी मिलने पर उन्हें शाहजहांपुर में एक निजी अस्पताल लाया गया जहां पर डाक्टरों ने उन्हें बरेली स्थित गुडलाइफ हास्पिटल में डा.अमित सक्सेना से मिलने की सलाह दी। परिजन विकास को लेकर डा.अमित सक्सेना से मिले। जिन्होंने इस ट्यूमर को निकालने का एकमात्र उपाय आपरेशन बताया। तीन माह पहले विश्वस्तरीय उपकरणों से सज्जित गुडलाइफ में डा.अमित ने विकास का आपरेशन किया। जिसमें 30 गुणा 20 सेमी की गांठ निकाली गई। इसका वजन करीब दस किलो था। चार दिन अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ लेने के बाद विकास को घर जाने की इजाजत मिल गई। विकास अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और आम लोगों की तरह ही दर्द रहित सामान्य जिंदगी जी रहे हैं। विकास के ट्यूमर के संबंध में डा.अमित कहते हैं कि यह ट्यूमर काफी बड़ा था। आमतौर पर पेट के इतने बड़े ट्यूमर मिलने की जानकारी नहीं मिलती क्योंकि तकलीफ की वजह से पहले ही आपरेशन कर इन्हें निकाल दिया जाता है। ज्यादा बड़ी गांठ होने पर आपरेशन मुश्किल होता जाता है। विकास के ट्यूमर निकालना भी एक मुश्किल आपरेशन में से एक था। आपरेशन के बाद अन्य लोगों की तरह सामान्य जीवन चर्या हो जाने पर विकास भी खुशी जताते हैं और उनके परिजन भी। कहते हैं कि इतने बड़े ट्यूमर की जानकारी होने पर उन्होंने तो उम्मीद ही छोड़ दी थी लेकिन डा.अमित ने आपरेशन के बाद स्वस्थ होने का भरोसा दिलाया। उनकी बदौलत बेटे को नई जिंदगी मिली है।

एसआरएमएस गुडलाइफ हॉस्पिटल में विकास का ऑपरेशन करते डा.अमित सक्सेना

कौन हैं डा.अमित सक्सेना

डा.अमित सक्सेना सीनियर लैप्रोस्कोपिक सर्जन के रूप में एसआरएमएस मेडिकल कालेज के सर्जरी विभाग में काफी समय से कार्यरत हैं। गुडलाइफ हास्पिटल स्थापित होने के बाद अब मरीजों को वहीं पर देखते हैं। गालब्लैडर, एपैंडिक्स, हार्निया, लीवर, पैनक्रियाज, बाइल डक्ट, खाने की नली, छोटी व बड़ी आंत, गुर्दा एवं मलाशय की सर्जरी के साथ हर तरीके की गैस्ट्रो सर्जरी में माहिर डा. अमित मोटापा कम करने वाली बैरियाट्रिक और व्हिपल्स जैसी बड़े शहरों में होने वाली सर्जरी को भी बरेली में सफलतापूर्वक कर रहे हैं। उनकी सर्जरी पर बड़े शहरों वाला खर्च नहीं आता। और मरीज को अपने ही शहर में इलाज का विकल्प भी मिलता है।

पेट की तकलीफों के इलाज के लिए क्यों जाएं गुडलाइफ

बात चाहें शरीर का वजन कम करने वाली बैरियाट्रिक सर्जरी की हो, मुश्किल व्हिपल्स सर्जरी की या गालब्लैडर, पैनक्रियाज, किडनी में स्टोन निकलवाने की। पेट से संबंधित हर तरह की सर्जरी में एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पिटल एक बड़ा सेंटर है। यहां पेट से संबंधित सभी आपरेशन गैस्ट्रो सर्जन डा.अमित सक्सेना सफलतापूर्वक कर रहे हैं। इसके साथ ही मोटापा कम करने वाली बैरियाट्रिक और व्हिपल्स जैसी बड़े शहरों में होने वाली सर्जरी को भी वह गुडलाइफ हास्पिटल में सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं। संतुष्ट मरीजों के अनुसार अगर आपको, आपके परिवार में किसी भी सदस्य या रिश्तेदारों को पेट से संबंधित कोई भी तकलीफ हो, तो इधर उधर भटकने के बजाय गुडलाइफ हास्पिटल जाएं और डा.अमित सक्सेना से परामर्श लें।

NEW EMPLOYEE

(Till Feb 2022)

Dr. Ramesh Kumar
Medical Superintendent
MBBS
SRMS Hospital, Unnao

Dr. Zahid Hussain
Professor
Department of Pharmocology
SRMSIMS, Bareilly

Dr. Hema Verma
CONSULTANT
MS, OBS-GYNAE
SRMS Hospital, Unnao

Dr. Gaurav Kumar Gautam
Consultant
MS, SURGERY
SRMS Hospital, Unnao

Mr. Dhriti Gobinda Dutta
Faculty
Tabla
SRMS Riddhima, Bareilly

Mr. Shailendra Sharma
Faculty
Theatre & Drama
SRMS Riddhima, Bareilly

Mr. Shishu Pal Rathore
Assistant Professor
LAW Department
SRMS COL, Bareilly

Ms. Priyanka Verma
Assistant Professor
Pharmacy Department
SRMS CET, Bareilly

Devendra Tewari
Manager Marketing
SRMSIMS
Bareilly

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में संबद्ध होने वाले सभी नए एवं पदोन्नत साथियों को **बधाई एवं शुभकामनाएं ...**

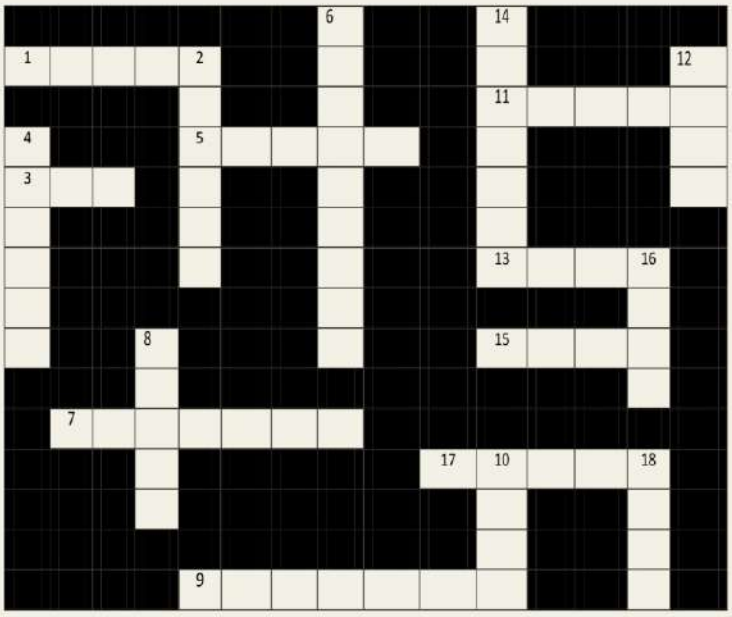

Crosswords No. 22

HORIZONTAL

1. Spongy air filled organs forming major part of respiratory system.
3. Organ for hearing
5. Largest organ with regeneration capacity
7. Hollow organ in lower abdomen that stores urine
9. Bean shaped organ for excretion
11. Longest part of small intestine
13. Largest protective organ of the body
15. Soft, movable and serve as the opening for food intake and in articulation of sound
17. Organ that pumps blood to the body

VERTICAL

2. Part of lymphatic system contains infection fighting WBC's
4. Lower part of small intestine where body stores stools
6. long continuous tube running from stomach to the anus for absorption of nutrients and water
8. Complex organ in vertebrates made up of neurons and glial cells
10. Organs for vision
12. Opening where gastro intestinal tracts end
14. Organ located in abdomen helps in digestion and regulation of blood sugar levels
16. Organ for smell
18. Five long thin parts at the end of foot

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 22

5		9		4				2
					5		1	
	6		3	7		9		4
6					1	2	9	
	1		6					8
4		3			2			1
3	2		7		9			5
							3	
	9		8					7

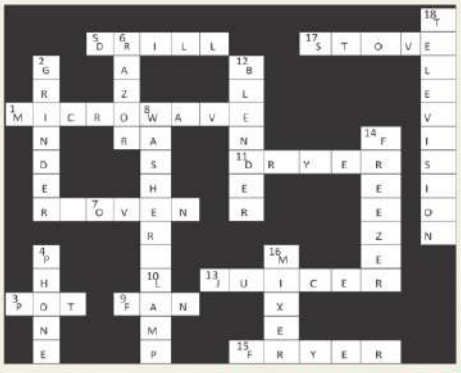

Answer: Crosswords No. 21

2	3	8	7	6	5	1	4	9
1	7	6	4	2	9	5	8	3
4	5	9	1	8	3	7	2	6
5	8	2	3	7	1	6	9	4
9	6	7	5	4	2	8	3	1
3	1	4	6	9	8	2	7	5
7	2	1	9	5	4	3	6	8
8	4	5	2	3	6	9	1	7
6	9	3	8	1	7	4	5	2

Answer: Soduko No. 21

26 YEARS OF EXCELLENCE
1996-2022
IMPARTING OUTCOME BASED EDUCATION

SRMS

SHRI RAM MURTI SMARAK COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
BAREILLY, U.P.
(AKTU CODE - 014)

ADMISSION OPEN 2022 - 23

B.Tech.
1st Year & 2nd Year (Lateral Entry)

COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING

with specializations in:
- Artificial Intelligence & Machine Learning
- Data Science
- Cloud Computing

MECHANICAL ENGINEERING

with specializations in:
- Mechatronics
- Additive Manufacturing
- Robotics & Automation

B.Tech.
1st Year & 2nd Year (Lateral Entry)

INFORMATION TECHNOLOGY

with specializations in:
- Internet of Things (IoT)
- Cyber Security

ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGINEERING

with specializations in:
- Embedded System
- Internet of Things (IoT)

ELECTRICAL & ELECTRONICS ENGINEERING

with specializations in:
- Smart Grid & Computing
- Electric Vehicles

B.Pharm.
1st Year & 2nd Year (Lateral Entry)

M.Pharm.
PHARMACEUTICS

M.Tech.
CS | EC | EE | CAD & M

MBA | MCA

Grab the Opportunity to Avail Attractive Entry Level Scholarship

GET REGISTERED FOR

SRMS ENTRY LEVEL SCHOLARSHIP TEST

Ram Murti Puram, 13 KM, Bareilly- Nainital Road, Bhojipura, Bareilly-243202, U.P., India

ADMISSION HELPLINE

7055999555, 9458702000 | admission@srms.ac.in

To apply online, visit : **www.srms.ac.in** | Follow us:

ADMISSION ENQUIRY
Scan QR Code For Registration